Need to appoint a Task Force to investigate the case of discrepancies in the progress report of Har Ghar Jal scheme in Purvanchal region of U.P.

श्री राजीव राय **(**घोसी**):** धन्यवाद सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक बहुत ही गंभीर विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । कृपया समय का थोड़ा-सा ध्यान रखिएगा, क्योंकि सदन की गरिमा, मंत्रालय की गरिमा और माननीय मंत्री जी की इंटीग्रेटी का भी सवाल है ।

महोदया, मैंने एक प्रश्न लगाया था कि हमारे मऊ जनपद में कितने घरों में ?हर-घर जल? की सेवा पहुंच चुकी है? सवाल के जवाब में बताया गया कि 2 लाख 64 हजार 424 घरों में यह सेवा पहुंच चुकी है । मैंने दिशा की बैठक की, तो सारे जनप्रतिनिधियों के सामने, जिलाधिकारी के सामने, सारे अधिकारियों के सामने संबंधित अधिकारी ने स्वीकार किया कि अभी तक केवल 40 गांवों में यह सेवा पहुंच सकी है और धनाभाव के कारण वे कार्य नहीं कर पा रहे हैं । अगर हम सवाल लगाते हैं और इस तरह का जवाब निचले स्तर के अधिकारी से आएगा कि ग्राउंड लेवल पर गलत सूचना दी गई है तथा काम नहीं हुआ है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होती है? मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि माननीय मंत्री जी अपनी साख, अपनी इंटीग्रेटी के लिए एक टास्क फोर्स लगाकर पूर्वांचल, खासकर मऊ में जांच कराएं । अगर धन नहीं है, तो धन उपलब्ध कराएं तथा जिसने भी यह गलत सूचना सदन को देकर गुमराह करने का प्रयास किया है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए । मुझे लगता है कि आपके माध्यम से यह बात सरकार तक अवश्य पहुंचेगी । धन्यवाद ।